

## राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 3 अगस्त, 1984

क्रमांक 892-ज-(II)-84/21553.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुष्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल, श्री चन्द्रा राम, पुत्र श्री कन्थीया, गांव खोरड़ा, तहसील दादरी, जिला भिवानी, को रवी, 1977 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 914-ज-(II)-84/21557.—श्री हरकून सिह, पुत्र श्री माडू राम, गांव बलाली, तहसील दादरी, जिला भिवानी, की दिनांक 28 अप्रैल, 1981 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुष्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2 (ए)(1) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये श्री हरफूल सिह की मुब्लिंग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 1563-ज-I-76/26916, दिनांक 26 अगस्त, 1976 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती छोटी के नाम खरीफ, 1981 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

दिनांक 6 अगस्त, 1984

क्रमांक 915-ज(II)-84/21743.—श्री प्यारे लाल, पुत्र श्री सोहला राम, गांव केलंगा, तहसील रोहतक (अब महम), जिला रोहतक की दिनांक 20 जनवरी, 1983 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुष्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये श्री प्यारे लाल की मुब्लिंग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 433-ज-II-74/21543, दिनांक 2 जुलाई, 1974 तथा अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती गिर्वां के नाम खरीफ 1983 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 962-ज(II)-84/21747.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुष्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल, श्रीमती शिंगारी, विधवा श्री नेतराम, गांव लडायन, तहसील कोसली, जिला रोहतक को खरीफ, 1965 से रवी, 1970 तक 100 रुपये वार्षिक, खरीफ 1970 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

ठी० आर० तुली,  
अवर सचिव, हरियाणा सरकार,  
राजस्व विभाग।

## शिक्षा विभाग

दिनांक 23 जुलाई, 1984

सं० 10/81/78-श-I-(I).—हरियाणा राजभाषा अनुनियम, 1969 को धारा 3 द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा निम्नलिखित प्रयोग विनियोग करते हैं जिनके लिए 26 जनवरी, 1969 से ठीक पहले प्रयोग में लाई जा रही भाषा ही, 25 जुलाई, 1985 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए प्रयोग में लाई जाने वाली भाषा हो जाएगी।

- छुट्टी की मंजूरी के आदेश पद बनाने सम्बन्धी मंजूरियां विनेश वेतन इत्यादि सम्बन्धी मंजूरियां तथा रिपोर्ट विवरणी रजिस्टर्ड और महाने वाकार परीक्षक स्थानीय निधि लेवा द्वारा अपेक्षित अभिलेख अप्रेजी में बनाए रखे तथा जाने वाले अभिलेखों जैसी दस्तावेजों।

2. राजपत्र यूनिट राजस्व विभाग, हरियाणा ।

3. न्यायिक कार्यवाहियों में वित्तायुक्त द्वारा किए गए सभी आदेश और विभिन्न विभागों द्वारा किए गए ऐसे अन्तिम आदेश पुनरीक्षण तथा पुनर्विलेकन सिवाय उन आदेशों के जो वित्तायुक्त के अधीनस्थ राजस्व अधिकारियों और राजस्व न्यायालयों द्वारा किए जाते हैं ।

4. हरियाणा राज्य विजली बोर्ड का तकनीकी कार्य ।

5. हरियाणा राज्य लघु उद्योग एवं नियांत निगम लिमिटेड द्वारा विदेशी निकायों/फर्मों के साथ किया जाने वाला पत्र व्यवहार ।

6. हरियाणा वित्त निगम द्वारा विधिक दस्तावेजों का निष्पादन ।

एल० एम० जैन,

आयुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार,  
शिक्षा विभाग ।

#### DEVELOPMENT AND PANCHAYATS DEPARTMENT

The 23rd July, 1984

No. 991-(2)-RDB-84/1688.—In partial modification of this Department Notification No. 442-(1)-RDB-81/498, dated the 25th March, 1981 read with Notification No. 580-(2)-RDB-82/2181, dated the 16th September, 1982, No. 991-(2)-RDB-83/1326, dated the 13th June, 1983 and No. 2034-(2)-RDB-83/206, dated the 19th January, 1984, the Governor of Haryana is pleased to reconstitute the High Powered Advisory Committee, named the Rural Development Board (Development Department), set up for the implementation of Model/Focal Village and other Rural Development Schemes in the State, as under :—

#### OFFICIAL MEMBERS

(1) Governor of Haryana	.. Chairman
(2) Minister-in-charge, Development and Panchayats, Haryana	.. Vice-Chairman
(3) Finance Minister, Haryana	.. Member
(4) Irrigation and Power Minister, Haryana	.. Member
(5) Agriculture Minister, Haryana	.. Member
(6) Revenue Minister, Haryana	.. Member
(7) Health Minister, Haryana	.. Member
(8) Deputy Minister, Irrigation and Power, Haryana	.. Member
(9) Vice-Chancellor, Haryana Agricultural University, Hissar	.. Member
(10) Commissioner and Secretary to Government, Haryana, Finance Department	.. Member
(11) Commissioner and Secretary to Government, Haryana, Development and Panchayats Department	.. Member
(12) Commissioner and Secretary to Government, Haryana, Housing Department	.. Member
(13) Commissioner and Secretary to Government, Haryana, P.W.D., B&R	.. Member
(14) Commissioner and Secretary to Government, Haryana, P.W.D. (P. H.).	.. Member

(15)	Commissioner and Secretary to Government, Haryana, Agriculture Department	.. Member
(16)	Registrar, Co-operative Societies, Haryana	.. Member
(17)	State Transport Controller, Haryana	.. Member
(18)	Director of Industries, Haryana	.. Member
(19)	Director of Health Services, Haryana	.. Member
(20)	Director, Animal Husbandry, Haryana	.. Member
(21)	Superintending Engineer, Panchayati Raj, P.W. Circle, Haryana, Chandigarh	.. Member
(22)	Director of Panchayats, Haryana, Chandigarh	.. Member
(23)	Director of Public Instruction (Schools), Haryana	.. Member
(24)	Deputy Secretary to Government, Haryana, Rural Development Board	.. Member-Secretary.

**Non-Official Members**

- (1) Shri Daya Nand, M.L.A, Rajaund, District Jind.
- (2) Shri Dev Kumar Jain, Ex-Sub-Registrar, Near Gandi Chowk, Bazar Khajanchian, Hissar.
- (3) Shri Jagbir Singh, Advocate, Palwal, District Faridabad.

**Functions of the Rural Development Board (Development Department):**

The functions of Rural Development Board (Development Department) shall include:—

- (1) Planning and implementation of the Model/Focal Village Schemes in the State;
- (2) Implementation of area planning schemes;
- (3) Proper demarcation of village phirnis, regulation of future construction thereon according to a well-conceived system of country planning;
- (4) Construction and maintenance of link and approach roads and village lanes and pavement of streets;
- (5) Provision of drinking water supply in villages;
- (6) Arrangements for proper drainage and refuge disposal system in the villages;
- (7) Provision of common latrines in the villages and introduction of a regular sanitation system in the houses, lanes and common places;
- (8) Provision for better health services by opening Civil/Veterinary Dispensaries in the villages and by providing health centres for child-care, mid-wifery etc.;
- (9) Provision for better communication facilities in the villages by opening Post Offices, Telegraph and Telephone Centres and by introduction of Television;
- (10) Plantation of trees and establishment of kitchen gardens;
- (11) Establishment of godowns and mandis, etc. for providing better marketing facilities to the rural masses;
- (12) Spreading literacy in the rural areas by setting up schools and colleges wherever feasible and considered advisable;
- (13) Devising of means to improve the living standard of the weaker sections, landless labourers and agricultural workers in the villages including the improvement of the housing facilities for them;

- (14) Devising of revenue earning schemes for the villages including schemes for better utilisation of the village shamlat lands;
- (15) Organisation of Rural Youth Clubs, Mahila Mandals, Recreation Centres, Libraries, Reading Rooms, Parks and other sources of entertainment and enlightenment for the rural masses; and
- (16) Review of progress made in the Model and Focal Villages and other rural development schemes from time to time.

2. The Rural Development Board (Development Department) shall be competent to include any scheme of Development in the rural areas in its plan and shall also be competent to co-opt, as a member any person in the interest of implementation of any scheme.

3. The headquarters of the Rural Development Board (Development Department) shall be at Chandigarh or any other place fixed by the Government. The Rural Development Board (Development Department) shall meet at least thrice a year and the intervening period between the successive meetings shall not exceed 4 months in any case.

4. M. L. As will draw Travelling Allowance and Daily Allowance as admissible to them as member of the Haryana Legislature. They will, however, draw their daily allowance and travelling allowance from the Haryana Vidhan Sabha Secretariat. The Secretary, Haryana Vidhan Sabha will be the Controlling Officer for the purpose of countersigning the travelling allowance and daily allowance bills of the M.L. As.

5. The official members will draw travelling allowance and daily allowance as admissible to them under the Travelling Allowance Rules.

6. The non-official members, other than M. L. As/M. Ps. shall be entitled to Travelling Allowance and Daily Allowance for attending the meetings of the Board, as laid down in Para 4(c) of the instructions issued,—*vide* Haryana Government U. O. No. 670-Pol(4)-72, dated the 4th April, 1972. The expenditure on their T. A./D. A. will be met from the grant under head '314—Community Development Department (Non-Plan)—A—(i)—Direction and Administration (a)—Headquarters Staff (General)'.

7. The Rural Development Board (Development Department) will function as a High Powered Advisory Committee of the Development Department and its decisions in regard to the implementation of the schemes and incurring expenditure concerned therewith shall be final.

8. The works of the Rural Development Board (Development Department) shall be executed through the P. W. D., (B. & R.) P. W. D. (P. H.) and Panchayati Raj Organisation.

9. The action taken by the erstwhile Rural Development Board prior to the date of issuance of this Notification shall be deemed to have been done by the reconstituted Rural Development Board (Development Department) under the provisions of this notification.

G. L. BAILUR,

Chandigarh, dated  
the 13th July, 1984

Financial Commissioner and Secretary to Government, Haryana,  
Development and Panchayat Department.

#### IRRIGATION AND POWER DEPARTMENT

The 2nd August, 1984

No. 70/Drg/3-L.—Whereas it appears to the Governor of Haryana that land specified below is needed by the Government at the public expense, namely, for constructing Flood Embankment from R.D. 60540 to RD 61240 on left side under section Ottu Weir along River Ghaggar in village Mitpa, Tehsil Sirsa, District Sirsa, it is hereby notified that land in the locality described below is required for the above purpose.

This notification is made under the provisions of section 4 of the Land Acquisition Act, 1894 for information of all to whom it may be concerned. And whereas the Governor of Haryana is further of the opinion that the purpose for which the land is required is of an urgent importance within the meaning of the clause (c) of sub-section (2) of section 17 of the said Act that the provision of section 5A of the said Act shall not apply in regard to this Acquisition.

In exercise of the power conferred by the aforesaid section, the Government of Haryana hereby authorises the officers of the Irrigation Department with their servants and workmen for the time being engaged in the undertaking, to enter upon and survey the land in the locality and do all other acts required or permitted by that section.

Any person interested who has an objection to the acquisition of any land in the locality may within a period of thirty days of the publication of this notification, file objection in writing before the Land Acquisition Collector-cum-District Revenue Officer, Sirsa.

Plans of the land may be inspected in the office of the Land Acquisition Collector (District Revenue Officer, Sirsa) and Executive Engineer, Sirsa Drainage Division, Sirsa.

#### SPECIFICATION

Serial No.	District	Tehsil	Village	Habbast No.	Area in Acres	Boundary/Khasra Nos.	
1	2	3	4	5	6	7	
1.	Sirsa	Sirsa	Sirsa	Mirpur	150	0.88	A strip of land 579' length and 66' width lying generally in the direction of North-East to South-West as demarcated at site and shown on Index Plan. 8 5/2, 6/1, 1/2, 2, 8, 9, 10 218, 301

By the order of the Governor of Haryana.

R. K. KAPIUR,

Superintending Engineer,  
Hissar Drainage Circle,  
Hissar.

**IRRIGATION AND POWER DEPARTMENT  
CHANDIGARH  
ORDER**

The 3rd August, 1984.

No. 9032.—Whereas the land described in the Haryana Government Notification No. 3669/2-L, dated 17th April, 1984 issued under section 6 of the Land Acquisition Act, 1894, has been declared to be needed at the expense of the Government of Haryana for a public purpose, namely, for Constg. Ateli sub-minor from kilometre 0.000 to tail kilometre 0.920 off-taking at kilometre 0.900 (Pump House A.M. I) right of Ateli Minor in Village Ateli-Begpur in Tehsil Narnaul, District Mahendragarh.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7 of the Land Acquisition Act, 1894, the Governor of Haryana hereby directs the Land Acquisition Collector, Public Works Department, Irrigation Branch, Narnaul to take order for the acquisition of the land described in the specifications appended to the declaration published with the aforesaid notification.

#### SPECIFICATIONS

District	Tehsil	Village	Area in Acres	Direction
Mahendragarh	Narnaul	Ateli-Begpur	2.82	Generally lying in the direction from North to South and as demarcated at site and as shown on the Index Plan.

Issued by the Order of the Governor of Haryana.

S. C. AHUJA,  
Superintending Engineer,

Jawahar Lal Nehru Canal Circle No. II,  
Rohtak.